खास खबरें

गोधरा दंगों का मुख्य आरोपी 19 साल बाद गिरफ्तार, पूरी साजिश में शामिल था रफीक हुसैन

अहमदाबाद। गुजरात के बहुचर्चित गोधरा कांड के एक प्रमुख आरोपी को 19 साल बाद गिरफ्तार किया गया है। प्रदेश के पंचमहल जिले के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच में भीड़ द्वारा आग लगाए जाने के मामले के मुख्य आरोपी रफीक हुसैन भटुक को गोधरा शहर से गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 19 साल पहले हुई थी, जिसमें 59 कारसेवकों की मौत हो गई थी। सोमवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पंचमहल जिले की पुलिस अधीक्षक लीना पाटिल ने कहा कि 51 वर्षीय भटुक आरोपियों के उस मुख्य समूह का हिस्सा था जोकि पूरी साजिश में लिप्त था। भटुक पिछले करीब 19 साल से फरार था। पाटिल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गोधरा पुलिस ने रविवार रात को रेलवे स्टेशन के समीप स्थित सिग्नल फलिया के एक घर में छापेमारी की और भटुक को वहां से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि भटुक आरोपियों के उस मुख्य समूह का हिस्सा था जिन्होंने पूरी साजिश रची, भीड़ को उकसाया और ट्रेन के कोच को जलाने के लिए पेट्रोल का इंतजाम किया।

बिहार में छात्रा से रेप करने वाले प्रिंसिपल को फांसी की सजा, क्लर्क को उम्र कैद

पटना। बिहार की राजधानी पटना में 5वीं की छात्रा के साथ रेप के मामले में सिविल कोर्ट ने दोषी स्कूल प्रिंसिपल अरविंद कुमार को फांसी की सजा सुनाई है, जबकि दोषी क्लर्क अभिषेक को उम्रकैद की सजा दी है। करीब 3 साल पुराने इस मामले में कोर्ट ने प्रिंसिपल पर एक लाख रुपये और क्लर्क पर पचास हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है।

पटना के फुलवारीशरीफ इलाके के मित्र मंडल कालोनी में स्थित न्यू सेंट्रल पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल अरविंद कुमार ने सितंबर 2018 में अपने स्कूल के ही 5वीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें क्लर्क अभिषेक ने मदद की थी। बच्ची के गर्भवती हो जाने के इस मामले का खुलासा हुआ था। इसका का खुलासा तब हुआ था, जब बच्ची को पेट दर्द की शिकायत हुई और माता-पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए। इसके बाद बच्ची के परिजनों ने दोनों आरोपियों के खिलाफ महिला थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कराया। बच्ची ने बताया था कि स्कूल के प्रिंसिपल अरविंद कुमार ने उसके साथ अपने चेंबर में बलात्कार किया था। मामले का खुलासा होने के बाद स्कूल प्रिंसिपल अरविंद कुमार और क्लर्क अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मामले में सबसे अहम सबूत एफएसएल का रिपोर्ट है।

कोर्ट के आदेश के बाद पीएमसीएच में पीड़ित बच्ची का गर्भपात कराया गया था। गर्भपात के अंश, पीड़िता और दोषी स्कूल संचालक अरविंद कुमार के डीएनए की जांच हुई, जो पूरी तरह मिल गए थे।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, आपस में टकराईं कारें, 5 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ है। सड़क हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हैं। घटना मुंबई-पुणे एक्सप्रेस हाईवे पर हुई है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जबकि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। क्रेन मंगवाकर हादसे में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई कार किनारे करवाई गई।

बताया जा रहा है कि एक कार में सवार होकर कुछ लोग हाईवे से जा रहे थे। कार खोपोली इलाके के पास पहुंची थी कि ड्राइवर की झपकी लग गई और कार एक अन्य वाहन से टकराकर हाईवे के किनारे डिवाइडर तोड़ते हुए निकल गई।

इधर हादसे के बाद तीन कारें एक दूसरे से टकरा गईं और अलग-अलग कारों में सवार लोगों की मौत हुई है। कारों की स्थिति को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि हादसा कितना बड़ा था।

क्या आईएसआई के हैंडलर को भी जानती है दिशा, दिल्ली पुलिस कर रही जांच..?

नई दिल्ली

अगर दिल्ली पुलिस की आशंका सही साबित हुई तो टूलकिट केस में गिरफ्तार जलवायु कार्यकर्ता दिशा रवि की मुश्किलें बहुत ज्यादा बढ़ जाएंगी। दिल्ली पुलिस यह जानना चाह रही है कि क्या दिशा आईएसआई से संबंध रखने वाले पीटर फ्रेडरिक को जानती है। फ्रेडरिक खालिस्तानी आतंकी भजन सिंह भिंडर उर्फ इकबाल चौधरी का करीबी है। इकबाल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस की ओर से संचालित कश्मीर खालिस्तान डेस्क का प्रमुख चेहरा है।

बढ़ रहा है जांच का दायरा

किसान आंदोलन की आड़ में देश में बड़ा बवाल खड़ा करने की रणनीति को लेकर तैयार टूलकिट केस में जांच का दायरा बढ़ता ही जा रही है और अब 1,000 से ज्यादा लोग दिल्ली पुलिस के रेडार पर आ गए हैं। मामले में दिशा रवि पांच दिन की पुलिस हिरासत में है जबकि मुंबई हाई कोर्ट की वकील निकिता जैकब और पुणे के इंजीनियर आरोपी शांतनु के खिलाफ गैर-जमानती वॉरंट जारी हो रखा है।

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने 3 फरवरी को जो टूलकिट गलती से ट्वीट कर दिया था और बाद में उसे हटा लिया था, उसमें फ्रेडरिक के नाम का उल्लेख हुआ था। फ्रेडरिक 2006 से ही सुरक्षा एजेंसियों के रेडार पर है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद फ्रेडरिक से जुड़े एक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, दिल्ली पुलिस ने

सोमवार को खालिस्तानी समर्थक पीटर फ्रेडरिक की भूमिका उजागर की है। मैं साफ कर दूं कि मैं खालिस्तान का समर्थन नहीं करता हूं और खालिस्तान आंदोलन आज मोदी सरकार की मनोवैज्ञानिक परियोजना से ज्यादा कुछ नहीं दिखता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की डीसीपी मनिषी चंद्रा ने कहा, अगर आप टूलकिट देखेंगे तो पता चलेगा कि यह बड़ी सावधानी से तैयार किया गया डॉक्युमेंट है। इसें सेक्शन वाइज बताया गया है कि किस खास दिन को कौन से खास हैशटैग इस्तेमाल करने हैं, कौन से ऐक्शन लेने हैं, किन्हें टैग करना है और किन्हें फॉलो करना है। किन्हें फॉलो करना है- इस सेक्शन में प्रमुख मीडिया घरानों, मशहूर फैक्ट चेकरों, कुछ एनजीओ के नाम के साथ-साथ एक और नाम शामिल था- पीटर फ्रेडरिक।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि क्या दिशा रवि और अन्य लोगों ने पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन का संस्थापक और खालिस्तानी आतंकी एमओ धालीवाल के जरिए फ्रेडरिक से संपर्क किया था, इस बात की जांच की जाएगी। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के डेप्युटी कमिश्नर अन्येश रॉय ने कहा कि टूलकिट कोी सामान्य डॉक्युमेंट नहीं है। उन्होंने कहा, इसमें भारी संख्या में हाइपरलिंक्स हैं जो गूगल ड्राइव्स, गूगल डॉक्स और वेबसाइटों के हैं। इनमें एक प्रमुख वेबसाइट है-

इस वेबसाइट पर खालिस्तानी समर्थन से जुड़े ढेर सारे कंटेंट हैं। उन्होंने कहा कि टूलिकट अपने आप में एक ऐक्शन प्लान है। अन्येश ने कहा, टूलकिट एक प्राइवेट डॉक्युमेंट है जिसे सीमित संख्या में लोगों के बीच शेयर करना था जो लोगों की धारणा बदलने का काम करते। रणनीति के तहत वैश्विक हस्तियों को फॉलो करना था और फिर झूठे अफसाने गढ़ने थे। यहां तक कि खालिस्तानी प्रॉपगैंडे को आगे बढ़ाने की भी साजिश रची गई थी।

खालिस्तानी आतंकी के साथ हुई थी मीटिंग

बहरहाल, इस मामले में देश-विदेश एक हजार से ज्यादा लोग पुलिस के रेडार पर हैं। दिल्ली पुलिस ने यह भी बताया कि देश के खिलाफ साजिश रचने के लिए 6 दिसंबर को एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया, जिसमें दिशा, शांतनु, निकिता और खालिस्तानी आतंकी एमओ धालीवाल समेत तमाम लोग जोड़े गए। टूलकिट को दिशा, निकिता और शांतनु ने मिलकर तैयार किया था। इसके लिए 11 जनवरी को जूम के जरिए मीटिंग हुई, जिसमें 70 लोग शामिल हुए। धालीवाल ने कनाडा में रह रही पुनीत के जरिये निकिता से संपर्क किया था।

अब दुनिया भर में लगेगी सीरम इंस्टिट्यूट की कोरोना वैक्सीन

डब्ल्यूएचओ ने दी आपात इस्तेमाल की मंजूरी

जिनेवा

भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनने वाली कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड का इस्तेमाल अब दुनियाभर में होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित की गई दो कोविड-19 वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी है। इसमें सीरम इंस्टिट्यूट की वैक्सीन के अलावा दक्षिण कोरिया की एस्ट्राजेनेका-एसकेबायो की वैक्सीन है।

डब्ल्यूएचओ ने सोमवार को जारी बयान में बताया, ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनेका की वैक्सीन के दो संस्करणों को आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई है ताकि दुनिया भर में कोवैक्स के तहत टीकाकरण को आगे बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडहानॉम ये भी कहा है कि हमें वैक्सीन के उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। वैक्सीन को मंजूरी देने से ठीक एक दिन पहले यूएन की स्वास्थ्य एजेंसी के एक पैनल ने वैक्सीन को लेकर अंतरिम सिफारिश दी थी, जिसमें कहा गया था कि सभी वयस्कों को 8-12 हफ्तों के अंतराल पर वैक्सीन के दो डोज दिए जाने चाहिए।

फाइजर की वैक्सीन को मिल चुकी है मंजूरी- डब्ल्यूएचओ ने पिछले साल दिसंबर में फाइजर की कोरोना वैक्सीन को आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी थी। बता दें कि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन फाइजर की वैक्सीन के मुकाबले काफी सस्ती है। डब्ल्यूएचओ ने अपने बयान में कहा, ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनेका की इन दो कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दिए जाने के बाद दुनियाभर के कई देशों में कोवैक्स प्रोग्राम के तहत टीका लगाने का काम तेज हो जाएगा। इसके बाद दुनिया के जिन देशों में अभी तक वैक्सीन नहीं मिल पाई थी, वहां पर अब कोरोना के टीकाकरण की शुरुआत की जा सकेगी। बता दें कि कोवैक्स प्रोग्राम के तरह डब्ल्यूएचओ द्वारा दुनियाभर के गरीब देशों में कोरोना वैक्सीन पहुंचाने की कोशिश करती है।

बता दें कि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने पिछले महीने सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को देश में आपात इस्तेमाल को मंजूरी थी।

दुनिया भर में भारतीयों का डंका, 15 देशों में रूल मेकर हैं इंडियंस

वॉशिंगटन

पूरी दुनिया भारत का लोहा मानती है। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन तक भारतीय प्रतिभाओं ने अपनी छाप छोड़ी है। इस बीच, सामने आई एक सूची ने देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। इस सूची में बताया गया है कि दुनिया के 15 देशों में भारतीय मूल के 200 से ज्यादा लोग लोकसेवा के उच्च पदों पर विराजमान हैं। इतना ही नहीं इनमें से 60 ने मंत्रिमंडल में भी जगह बनाई है। यह जानकारी 2021 इंडियास्पोरा गर्वनमेंट लीडर्स (2021 में दी गई है, जो अपनी तरह की पहली ऐसी सूची है।

सरकारी वेबसाइटों और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अन्य संसाधनों के आधार पर तैयार की गई इस सूची में बताया गया है कि भारतीय मूल के 200 से अधिक लीडर दुनियाभर के 15 देशों में लोक सेवा के उच्चतम सोपान पर पहुंचे हैं और 60 से अधिक ने इन देशों के मंत्रिमंडल में अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इंडियास्पोरा के संस्थापक, उद्योगपति और निवेशक एमआर रंगास्वामी ने इस मौके पर कहा, यह गौरवान्वित करने वाली बात है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश अमेरिका की पहली महिला और पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति भारतीय मूल की हैं'।

लिस्ट में नाम आने के बाद अमेरिकी सांसद अमी बेरा ने कहा कि 2021 इंडियास्पोरा गर्वनमेंट लीडर्स की सूची में शामिल होना मेरे लिए गर्व की बात है। संसद में सबसे लंबे समय से सेवाएं दे रहे सांसद के तौर पर, मुझे भारतीय-अमेरिकी समुदाय का नेता बनकर गर्व है। यह समुदाय अब अमेरिकी जीवन एवं समाज का अभिन्न अंग बन गया है। इस लिस्ट में यूके की मंत्री प्रीति पटेल, ऋषि सुनक और अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भी शामिल किया गया है।

इराक में इरबिल एयरपोर्ट पर रॉकेट हमला, एक की मौत

बगदाद। इराक के उत्तरी इलाके में सोमवार को रॉकेट हमले की खबर है। जानकारी के मुताबिक, कुर्दिश नियंत्रण वाले इलाके में स्थित इरबिल इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर रॉकेट दागे गए हैं। इस हमले में एक सिविलियन कॉन्ट्रैक्टर की मौत हो गई है जबकि पांच अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मरने वाले कॉन्ट्रैक्टर की पहचान अभी नहीं हो पाई है। खबर के मुताबिक, सोमवार को इरबिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित आवासीय इलाके में तीन रॉकेट दागे गए। माना जा रहा है कि इस हमले में अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। हमले में एक सिविलियन कॉन्ट्रैक्टर की मौत हो गई, जो गठबंधन से ही संबंधित बताया जा रहा है।

नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने कहा- पाकिस्तान को छोड़कर मैं कहीं नहीं जाऊंगी

लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने कहा है कि वह विदेश जाने को लेकर देश के प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार की खुली पेशकश यानी ऑफर के बावजूद वो इलाज के लिए अपने पिता के पास लंदन नहीं जाएंगी। मरियम ने ये भी कहा कि वो देश में ही रहेंगी और कहीं बाहर नहीं जाएगीं। मरिमय ने उमरा रायविड में स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ' अगर सरकार की ओर से कोई मेरे घर आता है और मुझे विदेश जाने का प्रस्ताव देता है, तो मैं उसे सीधे तौर पर ठुकरा दूंगी।

मरियम नवाज के मुताबिक ' मैं जानती हूं कि जैसा देश के

कुछ मंत्री कह रहे हैं कि अगर मरियम को विदेश जाने की अनुमति दी जाती है तो पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ विपक्ष की मुहिम कमजोर पड़ जाएगी, लेकिन मैं यह साफ कर देना चाहती हूं कि मैं अपना देश नहीं छोड़ूंगी और उन लोगों की सूची से अपना नाम हटाए जाने का अनुरोध नहीं करूंगी, जिन्हें विदेश जाने की इजाजत नहीं है'।

इस लिए लग रहे थे कयास-हाल ही में पूर्व पाकिस्तानी पीएम की बेटी और वर्तमान में पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष नेता मरियम ने कहा था कि उन्हें एक 'छोटी सर्जरी' करानी है, जो पाकिस्तान में संभव नहीं है। इसके बाद उनके विदेश जाने की चर्चा ने तूल पकड़ा था। इस बीच उन्होंने कहा, ' भले ही उनकी सर्जरी यहां न हो सके लेकिन इसके बावजूद मैं पाकिस्तान से नहीं जाऊंगी। मैं अपने ही देश में जिऊंगी और मरूंगी।' पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने कहा है कि पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ का पासपोर्ट 16 फरवरी को रद्द कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि शरीफ को गंभीर बीमारी के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दी गई थी, जिसके बाद से वह नवंबर, 2019 से लंदन में रह रहे हैं।

कश्मीर में आतंकी मंसूबे पाल रहे खलीफा एर्दोगान को बड़ा झटका, इराक में तुर्की के 13 सैनिकों की हत्या

अंकारा

पाकिस्तान के साथ मिलकर कश्मीर में आतंकी गतिविधियां चलाने के मंसूबे पाल रहे तुर्की को इराक में बड़ा झटका लगा है। कुर्दिश छापामार गुट क्काय ने तुर्की के 13 सैनिकों और पुलिस अधिकारियों की उत्तरी इराक में एक गुफा के अंदर बेहद निर्मम तरीके से हत्या कर दी है। इन सभी सैनिकों को कुर्दिश वर्कर्स पार्टी या पीकेके के छापामारों ने मार दिया है। सैनिकों की हत्या से वपिक्ष के निशाने पर आए तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगान बुरी तरह से भड़क उठे हैं और उन्होंने अमेरिका पर निशाना साधा है।

पीकेके के गुरिल्ला छापामार पिछले 3 दशक से तुर्की की सरकार के साथ संघर्ष कर रहे हैं। इराक की सरकार ने बताया कि तुर्की के सैनिकों ने उत्तरी इराक में एक सैन्य कार्रवाई के दौरान गुफा से मारे गए सैनिकों के शव को बरामद किया है। तुर्की के 12 सैनिकों के सरि को काटा गया था, वहीं एक सैनिक के सिर में गोली मारी गई थी। इन सैनिकों की मौतों से तुर्की की राजनीति में तूफान आ गया है।

मुस्लिम देशों में खलीफा बनने की फिराक में लगे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगान और उनके राजनीतिक सहयोगियों इस हमले की निंदा की है, वहीं विपक्षी दलों ने सरकार की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाए हैं। विपक्षी दलों ने एर्दोगान से सवाल किया है कि सरकार क्यों अपने सैनिकों को रिहा कराने में असफल रही। साथ ही इन सैनिकों को छुड़ाने के लिए असफल सैन्य अभियान को चलाया।

उधर, पीकेके ने कहा है कि उसने तुर्की के सैनिकों की मौत तुर्की की सेना के हवाई हमले की वजह से हुई। बता दें कि 10 फरवरी से तुर्की की सेना ने सैन्य अभियान शुरू किया है। वहीं तुर्की के रक्षामंत्री हुलुसी अकार ने कहा है कि जैसे ही यह सैन्य अभियान शुरू हुआ पीकेके के कमांडर ने उनके बंधक सैनिकों की हत्या कर दी।

पश्चिमी एशिया के 13 देशों में कोरोना के नए स्ट्रेन मिले

बेरूत। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या स्थिर हो रही है लेकिन स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 12 से अधिक देशों में कोरोना वायरस के नये स्वरूप के मामले सामने आये है।

डब्ल्यूएचओ के भूमध्यसागरीय क्षेत्र के निदेशक अहमद अल मंधारी ने काहिरा में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वायरस के तीन नये स्वरूपों में से कम से कम एक स्वरूप इस क्षेत्र के 13 देशों में दर्ज किया गया है।

बंगाल में ममता या भाजपा 2016 की तुलना में टीएमसी को झटका

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल को लेकर दो चुनावी सर्वे में अलग-अलग अनुमान व्यक्त किया जा रहा है। सीएनएक्स के सर्वे में पश्चिम बंगाल में एक बार फिर ममता बनर्जी की वापसी हो रही है। वहीं, सी वोटर के सर्वे के अनुसार राज्य में भाजपा की सरकार बनने का अनुमान है। सीएनएक्स के सर्वे में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 294 में से 151 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। सर्वे के अनुसार भाजपा के खाते में 117 सीट आती दिख रही है। लेफ्ट और कांग्रेस के खाते में 24 सीट मिलने की संभावना जताई गई है।

दक्षिण बंगाल में टीएमसी का रहेगा दबदबा- सीएनएक्स के सर्वे के अनुसार दक्षिण बंगाल में अभी भी टीएमसी का दबदबा बना हुआ है। सर्वे में पार्टी के यहां 84 में से 53 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं भाजपा को 16 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। एबीपी न्यूज के लिए ये ओपिनियन पोल दिल्ली की एक रिसर्च और सर्वे एजेंसी सीएनएक्स ने किया है। सर्वे में पश्चिम बंगाल की 294 में 112 सीटों पर हुए इस सर्वे में 8960 लोगों से बात की गई है। यह सर्वे 23 जनवरी से 7 फरवरी के बीच किया गया है।

सर्वे के अनुसार राज्य में भाजपा की सरकार बनती दिखाई दे रही है। सर्वे में 43 फीसदी लोगों का मानना है कि राज्य में भाजपा की सरकार बन सकती है। वहीं, 35 फीसदी लोगों का मानना है कि ममता बनर्जी की टीएमसी राज्य में एक बार फिर से सरकार बना सकती है। 14 फीसदी लोग ऐसे हैं जिनका मानना है राज्य में लेफ्ट और कांग्रेस सरकार बना सकते हैं। वहीं, 2 फीसदी लोगों ने राज्य में त्रिशंकु विधानसभा की उम्मीद जताई है। सीएनएक्स के सर्वे के अनुसार ममता की पार्टी टीएमसी को 2019 के मुकाबले भारी झटका लगता दिखाई दे रहा है। पार्टी को उत्तर बंगाल में बड़ा नुकसान होता दिख रहा है। भाजपा को इस इलाके में बड़ी सफलता मिलती दिख रही है। उत्तर बंगाल की 56 सीटों में से भाजपा को 32 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, टीएमसी को यहां महज 15 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है। लेफ्ट और कांग्रेस को 7 सीटें मिल सकती है। अन्य के खाते में 2 सीट जाने का अनुमान है।

कोलकाता में टीएमसी का रहेगा दबदबा-सर्वे के अनुसार कोलकाता में टीएमसी का दबदबा बना रहेगा। ग्रेटर कोलकाता पार्टी को 35 में से 26 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा को यहां महज 9 सीटों से ही संतोष करना पड़ेगा।

स्पेशल खबर.... *नाराज लोगों ने कहा, हम मर्जी से अलग भी नहीं हो सकते...*

चीन में तलाक से पहले 30 दिनों तक रहना होगा साथ

बीजिंग

चीन में एक नए कानून के अमल में आते ही तलाक लेने वालों की संख्या एकदम से बढ़ गई है। इस कानून के तहत तलाक के लिए आवेदन करने वालों को 30 दिनों का कूल-ऑफ पीरियड पूरा करना होता है। यानी उन्हें कानूनी तौर पर अलग होने से पहले अपने रिश्ते को आखिरी मौका देने के लिए 30 दिनों तक साथ रहना होगा। जबकि पहले ऐसी कोई बाध्यता नहीं थी। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग तलाक के लिए आवेदन कर रहे हैं, ताकि जल्दी से कूल-ऑफ पीरियड खत्म करके नए सफर की शुरुआत की जा सके।

यह है सरकार की सोच-चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने तलाक के बढ़ते मामलों को देखते हुए नया कानून लागू किया है। सरकार का मानना है कि 30 दिनों तक साथ रहने की बाध्यता शायद जोड़ों के बीच मनमुटाव को खत्म कर सके और वह अलग होने का फैसला टाल दें।

हालांकि, ये बात अलग है कि लोगों में इस नए कानून को लेकर गुस्सा है। उन्होंने इसे निजी संबंधों में हस्तक्षेप करार दिया है।

अमल में आने के बाद से नया कानून चीन के ट्विटर कहे जाने वाले वीबो पर यह ट्रेंड कर रहा है। बड़ी संख्या में चीनी नागरिक कूल-ऑफ पीरियड का विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब दो लोग अलग होने का मन बना चुके हैं, तो सरकार

उन्हें एक साथ रहने पर विवश करने वाली कौन होती है। यह सीधे तौर पर निजी संबंधों में हस्तक्षेप है। हालांकि, कानून में कहा गया है कि घरेलू हिंसा के चलते तलाक के लिए आवेदन करने वालों के लिए कूल-ऑफ पीरियड की बाध्यता नहीं है।

चीन के अधिकांश हिस्सों में विवाह पंजीकरण कार्यालय 1 मार्च को फिर से खुल गए हैं, लेकिन तभी से तलाक के मामलों में भी इजाफा देखने को मिला है।

खासकर, उत्तर-पश्चिमी चीन के शानक्सी प्रांत में तलाक के लिए आवेदन करने वालों की संख्या में काफी तेजी दर्ज की गई है। नाराज लोगों का कहना है कि क्या अब उन्हें अपनी मर्जी से तलाक लेने का भी हक नहीं है। उनका यह भी कहना है कि जब तलाक के लिए कूल-ऑफ पीरियड तय किया गया है, तो शादी से पहले भी ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। क्योंकि कई बार लोग जल्दबाजी में शादी आकर लेते हैं।

पहले थी ऐसी व्यवस्था-चीन में 2003 के बाद से तलाक की दर में लगातार वृद्धि हुई है। पिछले साल लगभग 4.15 मिलियन चीनी शादी के बंधन में बंधे, यह संख्या 2003 के मुकाबले काफी ज्यादा थी। पहले यहां लोग आपसी सहमति से तलाक ले सकते थे, लेकिन बाद में अदालत में आवेदन करना अनिवार्य किया गया। अब एक जनवरी से लागू हुए नए कानून में 30 दिनों के कूल-ऑफ पीरियड की व्यवस्था की गई है।